



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दीन के मात्रक

दिनांक 6. 4. 2021 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 4-6

कृषि विविधिकरण के रूप में कर सकते हैं किसान खुंब का उत्पादनः डॉ. अशोक

एचएयू में खुंब उत्पाद तकनीक विषय पर युवाओं को दिया व्यवसायिक प्रशिक्षण

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुंब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का सोमवार को समाप्त हो गया। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बीआर कम्बोज के मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समाप्त अवसर पर बतौर मुख्यालिय बोलते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि विविधिकरण के अन्तर्गत खुंब उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि खुंब की

विभिन्न प्रजातियां लगा कर पूरा वर्ष आमदनी ली जा सकती है। खुंब एक लाभकारी व्यवसाय है। इसमें खेत की जरूरत नहीं होती बल्कि इस व्यवसाय को 1-2 कच्चे/पक्के कमरों में शुरू किया जा सकता है और कम लागत से अच्छा फायदा लिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि युवा इस व्यवसाय को अपना कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुंब एक शाकाहारी भोजन के साथ-साथ प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत है। इसमें अति आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, लवण, विटामिन प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। खुंब का सेवन एक संतुलित आहार होने के साथ-साथ यह औषधीय गुणों से भरपूर है। उन्होंने बताया कि किसान कम लागत से खुंब उत्पादन करने के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि किसान कृषि अवश्यों को खेत में जलाने की बजाए खुंब उत्पादन के लिए प्रयोग करें और अपनी आमदनी बढ़ावें। उन्होंने बताया कि खुंब उत्पादन एक लाभकारी व्यवसाय है। इसे अपनाकर किसान अपनी आय बढ़ा सकता है। साथ ही समन्वित कृषि प्रणाली में खुंब को एक घटक के रूप में अपन कर अपने खाली समय का सुधुपयोग करते हुए कृषि आय बढ़ाई जा सकती है। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि खुंब से मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे आचार, बिस्कुट, पापड़ इत्यादि तैयार किये जा सकते हैं। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डी.के. शर्मा तथा वैज्ञानिक डॉ. दलविन्द्र भी मौजूद थे। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. सतीश कमार ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....निकृष्ट ११२१२३.....

दिनांक .६.५.२०२१.....पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....२.३.....

एक से दो कमरों में शुरू किया जा सकता है खुंब उत्पादन

जागरण संगवददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुंब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बीआर कंवोज के निदेश में आयोजित किया गया। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा

ने कहा कि कृषि विविधकरण के तहत खुंब उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते हैं।

खुंब की विभिन्न प्रजातियाँ लगा कर पूरा वर्ष आमदनी ली जा सकती है। खुंब एक लाभकारी व्यवसाय है। इसमें खितों की जरूरत नहीं होती बल्कि इस व्यवसाय को 1-2 कच्चे/पक्के कमरों में शुरू किया जा सकता है और कम लागत से अच्छा फायदा लिया जा सकता है। युवा इस व्यवसाय को अपना कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

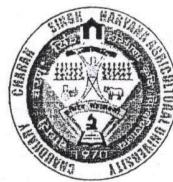
समाचार पत्र का नाम.....पंजाबी संस्कृती.....
दिनांक .६.४.२२।.....पृष्ठ संख्या.....५.....कॉलम.....७.८.....

**'कृषि विविधिकरण के रूप में कर सकते
हैं खुम्ब उत्पादन : डॉ. गोदारा'**

हिसार, 5 अप्रैल (पंकेस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर 3 दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तर शिक्षण निदेशक डॉ. बी.आर. कम्बोज के मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि विविधिकरण के अन्तर्गत खुम्ब

उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि खुम्ब की विभिन्न प्रजातियां लगा कर पूरा वर्ष आमदनी ली जा सकती है। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि किसान कृषि अवशेषों को खेत में जलाने की बजाए खुम्ब उत्पादन के लिए प्रयोग करें और अपनी आमदनी बढ़ाएं। पौध रोग विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राकेश चुध ने ढीगरी खुम्ब व कीड़ा जड़ी खुम्बों को उगाने की विधि से अवगत कराया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डी.के. शर्मा तथा वैज्ञानिक डॉ. दलविन्द्र भी मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अभ्यन्तरीना.....

दिनांक ६.५.२०२१.....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....३.....

कृषि विविधीकरण के रूप में कर
सकते हैं खुंब उत्पादन : डॉ. गोदारा
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय में खुंब उत्पादन तकनीक
विषय पर आयोजित तीन दिवसीय
व्यवसायिक प्रशिक्षण शिविर सोमवार को
संपन्न हो गया। इसका आयोजन विस्तार
शिक्षा निदेशक डॉ. बीआर कंबोज के
मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के
समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि
बोलते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी
प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-
निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने
कहा कि कृषि विविधीकरण के अंतर्गत
खुंब उत्पादन करें। ब्युरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	06.04.2021	--	--

कृषि विविधिकरण के रूप में कर सकते हैं खुम्ब उत्पादन : डॉ. अशोक गोदारा

हैलो हिसार न्यूज़

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ।

प्रशिक्षण का अयाँ जन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ.

बी.आर. कम्बोज के मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि

विविधिकरण के अन्तर्गत खुम्ब उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि खुम्ब की विभिन्न प्रजातियां लगा कर पूरा वर्ष आमदनी ली जा सकती है। खुम्ब एक लाभकारी व्यवसाय है। इसमें खेतों की जरूरत नहीं होती बल्कि

एचएयू में खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन

इस व्यवसाय को 1-2 कच्चे/पके कमरों में शुरू किया जा सकता है और कम

लागत से अच्छा फायदा लिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि युवा इस व्यवसाय को अपना कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुम्ब एक शाकाहारी भोजन के साथ-साथ प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	05.04.2021	--	--

कृषि विविधिकरण के रूप में कर सकते हैं खुम्ब उत्पादन : डॉ. गोदारा

एचएयू में खुम्ब उत्पादन तकनीक
विषय पर तीन दिवसीय
व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन



समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुम्ब उत्पादन व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षण निदेशक डॉ. बी.आर. कम्बोज के मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि विविधिकरण के अन्तर्गत खुम्ब उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते हैं। उन्होने बताया कि खुम्ब की विभिन्न प्रजातियां लगा कर पूरा वर्ष आमदनी प्रयोग करें और अपनी आमदनी बढ़ावें। उन्होने ली जा सकती है। खुम्ब एक लाभकारी व्यवसाय

है। इसमें खेतों की जरूरत नहीं होती बल्कि इस व्यवसाय को 1-2 कच्चे/पक्के कमरों में शुरू किया जा सकता है और कम लागत से अच्छा फायदा लिया जा सकता है। इस प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुम्ब एक शाकाहारी भोजन के साथ-साथ प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत है। इसमें अति आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, लवण, विटामिन प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। खुम्ब का सेवन एक संतुलित आहार होने के साथ-साथ यह औषधीय गुणों से भरपूर है।

संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि किसान कृषि अवशेषों को खेत में जलाने की बजाए खुम्ब उत्पादन के लिए वैज्ञानिक डॉ. डी.के. शर्मा तथा वैज्ञानिक डॉ. निर्मल कुमार ने खुम्ब उत्पादन में आर्थिक विश्लेषण पर चर्चा की और किसानों को प्रोजेक्ट तैयार करने का तरीका बताया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डी.के. शर्मा तथा वैज्ञानिक डॉ.

व्यवसाय है। इसे अपनाकर किसान अपनी आय बढ़ा सकता है।

पौध रोग विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राकेश चूध ने हीगरी खुम्ब व कीड़ा जड़ी खुम्बों को उगाने की विधि से अवगत कराया। डॉ. जगदीप ने खुम्ब उत्पादन में केसिंग मिश्रण की उपयोगिता पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। डॉ. मनमोहन ने खुम्ब में होने वाली विमर्शों तथा उनकी रोकथाम पर प्रकाश डाला। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि खुम्ब से मूल्य सर्वाधित उत्पाद जैसे आचार, विस्कुट, पापड़ इत्यादि तैयार किये जा सकते हैं।

संस्थान के सह निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने खुम्ब में लगाने वाले कीड़ों तथा उनकी रोकथाम के उपाय मुझाये। डॉ. निर्मल कुमार ने खुम्ब उत्पादन में आर्थिक विश्लेषण पर चर्चा की और किसानों को प्रोजेक्ट तैयार करने का तरीका बताया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डी.के. शर्मा तथा वैज्ञानिक डॉ.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	05.04.2021	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कम्बोज के मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि विविधिकरण के अन्तर्गत खुम्ब उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि खुम्ब की विभिन्न प्रजातियाँ लगा कर पूरा वर्ष आमदनी ली जा सकती है। खुम्ब एक लाभकारी व्यवसाय है। युवा इस व्यवसाय को अपना कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुम्ब एक शाकाहारी भोजन के साथ-साथ प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत है। इसमें अति आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, लवण, विटामिन प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। खुम्ब का सेवन एक संतुलित आहार होने के साथ-साथ यह औषधीय गुणों से भरपूर है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	05.04.2021	--	--

शाकाहारी भोजन के साथ-साथ प्रोटीन का अच्छा स्रोत है खुम्ब : डॉ. सतीश

हिसार/05 अप्रैल/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बीआर कम्बोज के मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि विविधिकरण के अन्तर्गत खुम्ब उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि खुम्ब की विभिन्न प्रजातियां लगाकर पूरा वर्ष आमदनी ली जा सकती है। खुम्ब एक लाभकारी व्यवसाय है। इसमें खेतों की जरूरत नहीं होती बल्कि इस व्यवसाय को 1-2 कच्चे/पक्के कमरों में शुरू

किया जा सकता है और कम लागत से अच्छा फायदा लिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि युवा इस व्यवसाय को अपनाकर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि खुम्ब एक शाकाहारी भोजन के साथ-साथ प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत है। इसमें अति आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, लवण, विटामिन प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। खुम्ब का सेवन एक संतुलित आहार होने के साथ-साथ यह औषधीय गुणों से भरपूर है। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि किसान कृषि अवशेषों को खेत में जलाने की बजाए खुम्ब उत्पादन के लिए प्रयोग करें और अपनी आमदनी बढ़ायें। उन्होंने बताया कि खुम्ब उत्पादन एक लाभकारी व्यवसाय है। इसे अपनाकर किसान अपनी आय बढ़ा सकता है। साथ ही समन्वित कृषि प्रणाली में खुम्ब को एक घटक के रूप में अपना कर अपने खाली समय का सदुपयोग करते हुए कृषि आय

बढ़ाई जा सकती है। इस प्रशिक्षण में प्रान्त के विभिन्न जिलों से आये 32 युवकों व युवतियों ने भाग लिया। पौध रोग विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राकेश चूध ने ढीगरी खुम्ब व कीड़ा जड़ी खुम्बों को उगाने की विधि से अवगत कराया। डॉ. जगदीप ने खुम्ब उत्पादन में केसिंग मिश्रण की उपयोगिता पर चर्चा की। डॉ. मनमोहन ने खुम्ब में होने वाली विमारियों तथा उनकी रोकथाम पर प्रकाश डाला। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि खुम्ब से मूल्य सर्वोर्धित उत्पाद जैसे आचार, बिस्कुट, पापड़ इत्यादि तैयार किये जा सकते हैं। ढीगरी खुम्ब को सुखा कर तथा पाउडर बनाकर लम्बे समय तक रखा जा सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज़	05.04.2021	--	--

कृषि विविधिकरण के रूप में कर सकते हैं खुम्ब उत्पादन : डॉ. गोदारा

एवश्यू में खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण सम्पन्न

पांच बजे न्यूज़

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवक-युवतियों के लिए खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कम्बोज के मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यालिय बोलते हुए एसाया नेहोवाल कृषि प्रौद्योगिक प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि कृषि विविधिकरण के अन्तर्गत खुम्ब उत्पादन करके युवा स्वरोजगार हासिल कर सकते हैं। उन्होने बताया कि खुम्ब विभिन्न प्रजातियां लगा कर पूरा वर्ग आमदानी ली जा सकती है। खुम्ब एक लाभकारी व्यवसाय है। इसमें खेतों की जरूरत नहीं होती बल्कि इस व्यवसाय को 1-2 कछ्वे/पक्के कमरों में सुरु किया जा सकता है और कम लागत से अच्छी फायदा लिया जा सकता है। उन्होने बताया कि युवा इथा व्यवसाय का अपना कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सरोज कुमार ने बताया कि खुम्ब एक शाकाहारी भोजन के साथ-साथ प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत है। इसमें अति अवश्यक अपीनों एसिड, खनिज, लवण, विटामिन प्रत्युर मात्रा में पाये जाते हैं। खुम्ब का सेवन का एक सरुलित आहर होने के साथ-साथ यह औषधीय गुणों से भरपूर है। उन्होने बताया कि किसान कम लागत से खुम्ब उत्पादन करने के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

कृषि व्यवसायों को जलाने की बजाय खुम्ब उत्पादन के लिए करें प्रयोग

संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि किसान कृषि अवशेषों को खेत में जलाने की बजाए खुम्ब उत्पादन के लिए प्रयोग करें और अपनी आमदानी बढ़ायें। उन्होने बताया कि खुम्ब उत्पादन एक लाभकारी व्यवसाय है। इसे अपनाकर किसान अपनी आय बढ़ा सकता है। साथ ही समीक्षित कृषि प्रशासनी में खुम्ब का एक घटक के रूप में अपना कर अपने खाली समय का संतुष्यण करते हुए कृषि आय बढ़ाई जा सकती है। इस प्रशिक्षण में हीरायाणा प्रान्त के विभिन्न जिलों से आये

32 युवकों व युवतियों ने भाग लिया। पौध रोप विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राकेश चूध ने द्विगंगी खुम्ब व कीड़ा जड़ी खुब्बों को

उन्होने की विधि से अवगत कराया। डॉ. जगदीप ने खुम्ब उत्पादन में केंद्रीय मिश्रण की उत्थापिता पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। डॉ. मनमोहन ने खुम्ब में होने वाली विमर्शीय तथा उनकी रोकथम पर प्रकाश डाला। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि खुम्ब से मूल्य संरीजन उत्पाद जैसे आचार, विस्कुट, पापड़ इत्यादि तैयार किये जा सकते हैं। द्विगंगी खुम्ब को सूखा कर तथा पाउडर बनाकर लाल्ये समय तक रखा जा सकता है। संस्थान के सह निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने खुम्ब में लगने वाले कीड़ों तथा उनकी रोकथम के उपयोग सुझाये। डॉ. निर्मल कुमार ने खुम्ब उत्पादन में आर्थिक विस्तरण पर चर्चा की और किसानों को प्रोजेक्ट तैयार करने का तरीका बताया। इस अवसर पर संस्थान के वाणी वैज्ञानिक डॉ. डी.के. शर्मा तथा वैज्ञानिक डॉ. दलविन्द्र भी मौजूद थे।

यूनियन ने मीटिंग कर उठाई कर्मचारियों की मार्गें

हिसार। हरियाणा गवर्नरेट पीडब्ल्यू.डी. मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन संबंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ की जिला मीटिंग मॉडल टाउन रिश्ट कार्यालय में हुई जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान बलवान सिंह कालीरावाणा ने की तथा राज्य उपप्रधान औमप्रधाना पूर्णिया बैठक में मूल्य रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर जिला कार्यालय का उद्घाटन किया गया व सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों की विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। जिला सचिव नंदलाल अरोड़ा ने भंच का संचालन किया।

बैठक में कर्मचारियों की मूल्य मार्गें टेकेदारी प्रथा पर लगे कर्मचारियों को पवका करने, कैशलैस कार्ड, टर्म अपार्टमेंट मेट्रोनेस व कच्च कर्मचारियों को पक्के करने व जब तक पक्के नहीं होते तब तक न्यूनतम वेतन देने आदि मार्गें उठाई गईं।

मीटिंग में मन्त्रीत सिहाग, ईश्वर पूर्णिया, रमेश शर्मा, लीलू राम, सुभाष चंद्र, सुनील दुहन, मनजीत, आत्मा राम, मारीगम, धर्मवीर सिंह, सुनील कुमार, कमल किशोर, आजाद सिंह, सतपाल, सुभाष, सोनू अठवाल व मनदीप इत्यादि उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	05.04.2021	Online	--

कृषि विविधिकरण के रूप में कर सकते खुंब उत्पादन : डॉ. अशोक गोदारा



एचएसू में खुब उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन

九

प्रश्नावाक्य कुणी विश्वविद्यालय में प्रभारी के विभिन्न जितियों से आज चुनक-पुस्तकोंपरे के लिए खुब उत्तमतान तकनीक विद्या ग्रन्थ तीन दिवसीय व्यापारिक प्रशिक्षण का समाप्त हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के विद्यालय शिक्षा नियंत्रक डॉ. बी.आर.कंडोक के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यालय के समाप्त अवधि पर मुख्य अधिकारी उचित नेहमान कुणी प्रशिक्षणीयों प्रशिक्षण परे विद्यालय संस्थान के गवर्नरिंगोंपरा (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारे ने कहा कि कुणी प्रशिक्षणकर्मी के अंतर्गत खुब उत्तमतान की पुस्तक व्यापार लक्षित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि खुब की विभिन्न प्रशिक्षणों तथा उपर्युक्त व्यापार कर सकते हैं। खुब एक तात्पर्यात्मक व्यापार है। उसमें सौंदर्य की महत्वता नहीं दर्शायी गई। व्यापारिक व्यापार को 1-2 कार्यक्रमोंके करमाने से खुले किया जा सकता है और कम तात्परा से अच्छा प्रशिक्षण योग्य जा सकता है। उन्होंने बताया कि पुस्तक इस व्यापार के अपनाकर व्यवसायक प्रताप कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण के संयोगकर्ता स्टीली कुमार ने बताया कि खुब एक राष्ट्रालाली भौतिक के तात्पर्यात्मक प्रारूपोंका एक अवृत्ति संतुलित है। इसमें अटि अवश्यक अभीष्टी परिधि, वाणिज, उत्पाद, वितरण प्रमुख माल में घोषी जैवते हैं। खुब का गोंदंत एक गतुतीत आवश्यक होती है तात्पर्यात्मक व्यापार के लिए यह आवश्यक पुणी से भरपूर है। उन्होंने बताया कि विद्यालय कम लगात तो खुब उत्तमतान करने के बारे में विस्तृतपूर्ण जानकारी दी गयी। अपनी विद्यालयीनोंकी विश्वविद्यालय के लिए यह व्यापारिक प्रशिक्षण की विद्या ग्रन्थ के लिए व्यापारिक व्यापारिक